प्रभु के प्रति पवित्रता

विश्वास

रेव. जॉर्ज लियोन पाइक सीनियर द्वारा.

यह संदेश निःशुल्क वितरण के लिए प्रकाशित किया गया है। अधिक प्रतियों के लिए, यदि संभव हो तो, नीचे दिए गए पते पर अंग्रेजी में लिखें, यह बताते हुए कि आप कितनी प्रतियों का बुद्धिमानी से उपयोग कर सकते हैं।

Published By

Grace Temple
1235 Locklin Rd
Monroe, GA 30655 USA
Web: www.GraceTempleOnline.org
Email: info@GraceTempleOnline.org
Archive: www.Transology.info

HIN9915T • Hindi • The Faith

http://www.transology.info/tracts/hin9915t.htm

वशि्वास

इस ट्रैक्ट को पढ़ने वाले आप सभी से मैं सबसे पहले यही पूछना चाहूँगा कि क्या आप ईसाई हैं? ईसाई का अर्थ है मसीह के समान होना। क्या आप जीवन में वही करते हैं जो मसीह ने अपने जीवनकाल में किया था? वे भलाई करते रहे, और शैतान के सताए हुए सभी लोगों को चंगा किया।

जीवन में आपका लक्ष्य और उद्देश्य क्या है? यह बहुत ज़रूरी है कि आपका उद्देश्य सही हो, वरना आप जो कर रहे हैं वह गलत है, चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न लगे। क्या आपका लक्ष्य एक घर, शायद एक कार और एक बैंक खाता होना है? या आपका लक्ष्य इस दुनिया में एक व्यवसाय, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि या शक्ति प्राप्त करना है? मेरे मित्र, यह एक बहुत ही घटिया दृष्टिकोण है। यदि आप दुनिया के सबसे अमीर, सबसे प्रसिद्ध और सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होते, तो यह केवल व्यर्थता और आत्मा का क्लेश होता। बाइबल के राजा सुलैमान के पास ये सभी चीज़ें थीं, फिर भी उसने उन्हें व्यर्थ कहा।

परमेश्वर की कृपा प्राप्त करना ही एकमात्र वास्तविक, स्थायी खज़ाना है। जीवन की सभी चीज़ों के बारे में पूर्णता के सर्वोच्च शिखर तक शिक्षित होना कुछ भी नहीं है, क्योंकि इस संसार में जो कुछ भी है वह थोड़े ही समय में नष्ट हो जाएगा, और किसी भी चीज़ का कोई स्मरण नहीं रहेगा।

जब हम भविष्य की तैयारी की बात करते हैं, तो भविष्य कहाँ है? क्या यह परमेश्वर के पास नहीं है? वह राजा के हृदय को अपने हाथ में रखता है, और उसे जल की नदियों की तरह जहाँ चाहे मोड़ देता है, बाइबल हमें बताती है। वह अच्छाई की रचना करता है, और वह बुराई की भी रचना करता है, और शास्त्रों के अनुसार, दोनों में उसका अपना मार्ग है।

परमेश्वर के बिना इस संसार में या परलोक में कोई भविष्य नहीं है। मैंने एक बार एक पादरी से उसके भविष्य के बारे में बात की। वह अपने घर का भुगतान पूरा करते ही परमेश्वर के लिए काम करने की योजना बना रहा था, लेकिन जब वह अंतिम भुगतान कर रहा था, तभी उसका एक बच्चा घर के पीछे एक झील में डूब गया। बेहतर होता अगर उसने शुरू में ही अपना सब कुछ परमेश्वर को समर्पित कर दिया होता।

एक रात एक आदमी हमारी एक प्रार्थना सभा में आया, और जब परमेश्वर की आत्मा आत्माओं को पश्चाताप के लिए प्रेरित कर रही थी, उसे उद्धार स्वीकार करने का अवसर दिया गया, लेकिन उसने उसे अस्वीकार कर दिया। अगले दिन लगभग दोपहर के समय, पास के अंतिम संस्कार गृह में, मैंने ताबूत में पड़े उसके मृत चेहरे को देखा। परमेश्वर को अस्वीकार करने के तुरंत बाद मृत्यु ने उसे घेर लिया। वह भविष्य के लिए तैयार नहीं था।

एक अन्य प्रार्थना सभा में, मैंने दो लोगों से प्रार्थना की, और उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। कुछ ही समय बाद, दोनों व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। मेरे अपने धर्मोपदेश में जो कुछ हुआ, उसे बताने के लिए बहुत जगह चाहिए, जो यह सिद्ध करता है कि परमेश्वर के बिना कोई भविष्य नहीं है।

बाइबल हमें बताती है कि दुष्टों को शांति नहीं मिलती। धनवानों के कानों में एक भयानक ध्वनि है जो कभी नहीं रुकती। जीवन के पथ पर अपनों को खोने, बीमारी, पागलपन और विपत्तियों के भय से लगातार ग्रस्त रहना, जीवन जीने का एक घटिया तरीका है। संघर्ष और प्रयास करना, दिवालिया होने या अपनी मेहनत से अर्जित की गई अपनी संपत्ति के नुकसान से बचने की कोशिश करना, और अन्यायपूर्ण लेन-देन करके अपने साथी मनुष्यों के साथ दुर्व्यवहार करना, जीवन नहीं है। पाखंड से भरा धार्मिक जीवन, बौद्धिक तर्कों से रोज़ाना खुद को धोखा देना, खुद को ऐसे विश्वास और आशा का भरोसा दिलाना जो वास्तव में हमारे दिलों में मौजूद ही नहीं है: क्या आप कहेंगे कि यही जीवन है?

अपने साथी मनुष्यों की सेवा का हमारा गहरा उद्देश्य ईमानदारी का होना चाहिए, और बहुत कर्तव्यनिष्ठ होना चाहिए, हमेशा अपने भाई के रक्षक के रूप में अपनी स्थिति की ज़िम्मेदारी को महसूस करते हुए। हम में से प्रत्येक अपने साथी मनुष्यों से किसी न किसी प्रकार की सेवा पर निर्भर है। ईश्वर ने इसे इस तरह स्थापित किया है ताकि हम अपने भाई के रक्षक हों। कैन ने हाबिल को मार डाला और अपनी कपटपूर्ण इच्छाओं के कारण अपने भाई का रक्षक बनने से इनकार कर दिया। ईश्वर व्यक्ति को उसी के अनुसार प्रतिफल देगा। जो व्यक्ति छल से धन कमाता है, वह अपने जीवन के मध्य में ही नष्ट हो जाएगा, और अंत में मूर्ख बनेगा, शास्त्र हमें बताते हैं।

केवल उन बढ़िया घरों, कपड़ों और कारों पर विचार न करें जिनमें आप लोगों को देखते हैं। जीवन की प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि और पद-प्रतिष्ठा पर ही विचार न करें, बल्कि मानसिक संस्थानों, क्षय रोग अस्पतालों, अस्पतालों, अखबारों की दैनिक रिपोर्टों और जीवन की सभी विपत्तियों, जैसे शहरों में अक्सर सुनाई देने वाले चीखते-चिल्लाते सायरन, पर भी विचार करें। ये भयावह प्रभाव, भय और निराशा के साथ, मुझे बताते हैं कि जीवन में बस इतना ही नहीं है। जीवन का एक उच्चतर स्तर भी है जहाँ आनंद, शांति और धार्मिकता का वातावरण है। ईश्वर की सेवा करने से यह वातावरण प्राप्त होता है।

सदियों से पुकारती आ रही वही विनती भरी आवाज़ आज भी आपको और मुझे बुला रही है। यह ईश्वर की आवाज़ है जो सेवकाई और ईश्वर की संतानों के माध्यम से, दुनिया की शुरुआत से ही लोगों से विनती करती आ रही है। मसीह की यह आवाज़ पिछली पीढ़ियों में बुलंद हुई। विनाश से पहले नूह के दिनों में भी इसने विनती की। यरूशलेम पर आई भीषण विपत्तियों से ठीक पहले, ईसा मसीह के दिनों में भी इसने विनती की। संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रारंभिक इतिहास में, जब वे मैदानों में घूमते थे, मूल अमेरिकियों से लड़ते थे, और अपने साहसिक विजय अभियानों में जीवन के तूफ़ानों से बचने के लिए आश्रय ढूँढ़ते थे, तब इसने बसने वालों से बात की। अतीत से उस एकाकी गैलीलियन के शब्दों की कोमल गूँज आती है जिसने आपके और मेरे लिए कष्टों भरा जीवन जिया। आज, वही आवाज़ विनती कर रही है, समाजवाद की दुनिया से अपनी सबसे बड़ी अपील कर रही है। मैं तुमसे यह प्रश्न पूछता हूँ, मेरे मित्र: हम पश्चाताप के इस आह्वान पर ध्यान क्यों नहीं देते, अपने सामाजिक जीवन की प्रवृत्ति से विमुख होकर, और निम्न वर्ग के लोगों के प्रति विनम्र क्यों नहीं होते?

मसीह ने कहा था कि यह आखिरी पीढ़ी हठी, घमंडी, अहंकारी, हठी और ईश्वर से ज़्यादा स्वार्थी होगी। पौलुस ने कहा था कि ये वे लोग हैं जिन पर दुनिया का अंत आ गया है। तुममें से बहुतों ने, जिनसे मैं बात कर रहा हूँ, अपने विवेक को पहले ही गर्म लोहे से दाग दिया है और अपनी समझ खो चुके हैं, और खुद को शैतान की आत्मा के हवाले कर दिया है ताकि वह हर तरह का अधर्म करे।

यह देखते हुए कि सब कुछ पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा, और दुनिया जल जाएगी, पतरस ने पूछा, "हमें किस तरह के व्यक्ति होना चाहिए, पवित्र आचरण में, परमेश्वर के दिन की प्रतीक्षा करते हुए और उसके आने के लिए जल्दी करते हुए?" यही पतरस, जिसे राज्य की कुंजियाँ दी गई थीं, पिन्तेकुस्त के दिन, जब कलीसिया की पहली स्थापना हुई थी, खड़ा हुआ और सभी पीढ़ियों के लिए द्वार खोल दिया। तीन हज़ार लोग तुरंत प्रवेश कर गए। आज हमारी पृथ्वी पर रहने वाले अरबों लोगों में से, कितने लोग सादगी के इस महान नेता के शब्दों को, मसीह की वाणी के रूप में, उनके होठों से गूँजते हुए, सभी पीढ़ियों तक गूँजते हुए, मानेंगे?

बुलावा पश्चाताप करने, पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेने का है, ताकि आप पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त कर सकें, क्योंकि यह आपके और आपकी संतानों के लिए है, और उन सभी के लिए जो दूर-दूर हैं, यहाँ तक कि उन सभी के लिए भी जिन्हें प्रभु, हमारा परमेश्वर, बुलाएगा। क्या आप इस बुलावे में शामिल हैं?

बाइबल कहती है कि ये लोग प्रतिदिन प्रेरितों की शिक्षाओं में दृढ़ रहे। याद रखें, कोई और रास्ता नहीं है।

तुम अनुग्रह से विश्वास के द्वारा उद्धार पाते हो, कर्मों के कारण नहीं, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे, परन्तु यह परमेश्वर का उपहार है। उन्होंने पतरस के उपदेश के अनुसार वचन सुना, उन्होंने वचन पर विश्वास किया, और वचन के सुनने से जो विश्वास आता है, वह पतरस द्वारा कहे गए परमेश्वर के वचन के आज्ञाकारी होने के कार्य द्वारा उनके जीवन में प्रकट हुआ। उन्होंने तुरन्त पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त किया, जो अनन्त जीवन का परमेश्वर का आत्मा, उद्धार और पुनरुत्थान की शक्ति है।

परमेश्वर ने अब्राहम से जो वादा किया था, उसे मसीह में पिन्तेकुस्त के दिन पूरा किया, जब पतरस ने कहा, "यह प्रतिज्ञा उन सभी के लिए है जिन्हें प्रभु, हमारा परमेश्वर, बुलाएगा।"

हमें अपने बुलावे और चुनाव को पक्का करने के लिए कहा गया है। हम कैसे जान सकते हैं कि हम उन लोगों में से थे जो परमेश्वर के पूर्वज्ञान में थे? 1 पतरस 1:2 हमें बताता है कि हम परमेश्वर के पूर्वज्ञान के अनुसार आत्मा के पवित्रीकरण द्वारा आज्ञाकारिता और यीशु मसीह के लहू के छिड़काव के लिए चुने गए हैं।

परमेश्वर ने हमें वह सब कुछ दिया है जो जीवन और भक्ति से संबंधित है, और हमें महिमा और सद्गुण के लिए बुलाया है, जिसके द्वारा हमें बहुत बड़ी और बहुमूल्य प्रतिज्ञाएँ दी गई हैं, ताकि इनके द्वारा तुम उस भ्रष्टता से छूटकर, जो संसार में अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के समभागी हो सको। पाँचवें पद में, जहाँ यह हमें पूरी लगन से अपने विश्वास में सद्गुण, और सद्गुण में ज्ञान, और ज्ञान में संयम, और संयम में धैर्य, और धैर्य में भक्ति, और भक्ति में भाईचारे की भलाई या प्रेम बढ़ाने के लिए कहता है। यदि ये बातें तुम में हों, तो तुम न तो बांझ होगे और न ही निष्फल, परन्तु जिसके पास ये बातें नहीं हैं, वह अंधा है और दूर तक नहीं देख सकता, और भूल गया है कि वह अपने पुराने पापों से शुद्ध हो चुका है।

प्रेम धीरजवन्त और दयालु होता है, यह ईर्ष्या नहीं करता, अपनी बड़ाई नहीं करता, फूला नहीं समाता, अनुचित व्यवहार नहीं करता, अपना स्वार्थ नहीं चाहता, आसानी से क्रोधित नहीं होता, बुरा नहीं सोचता, अधर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है, सब कुछ सह लेता है, सब कुछ मानता है, सब कुछ की आशा करता है, सब कुछ सह लेता है।

यीशु ने कहा था कि हम एक मसीही को उसके द्वारा उत्पन्न फलों से पहचानेंगे। हम जानते हैं कि हम मृत्यु से जीवन में पहुँच गए हैं क्योंकि हम भाइयों से प्रेम करते हैं। परमेश्वर प्रेम है। जो प्रेम में बना रहता है, वह परमेश्वर में बना रहता है।

आत्मा के फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, नम्रता, नम्रता, संयम, भलाई, विश्वास हैं; ऐसे लोगों के विरुद्ध कोई व्यवस्था नहीं। ये बातें प्रमाणित करती हैं कि तुम बुलाए हुए और चुने हुए लोगों में से एक हो, यदि ये तुम्हारे जीवन में प्रत्यक्ष हों।

क्या तुम नहीं जानते कि अधर्मी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न तो व्यभिचारी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न स्त्रीलिंग, न पुरुष के साथ दुर्व्यवहार करनेवाले, न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न ही अन्धेर करनेवाले, परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। पौलुस ने कहा कि एक दूसरे को धोखा न दो।

वचन का प्रचार करो! समय और असमय में तत्पर रहो, उलाहना दो, डाँटो, और सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उपदेश दो। ऐसा समय आएगा जब वे खरा उपदेश न सहेंगे, परन्तु अपनी अभिलाषाओं के अनुसार कानों की खुजली के कारण अपने लिए बहुत से उपदेशक बटोर लेंगे, और अपने कान सत्य से फेरकर दंतकथाओं पर लगाएँगे।

यदि कोई इससे भिन्न शिक्षा देता है, या कोई ऐसा सिद्धांत सिखाता है जो ईश्वरीयता के अनुसार नहीं है, तो वह अभिमानी है, कुछ नहीं जानता, और ऐसे प्रश्नों में लिप्त रहता है जिनसे झगड़े और बुरी अटकलें निकलती हैं। कोई भी भलाई करने वाला नहीं, एक भी नहीं। भेड़ों की नाईं वे सब भटक गए हैं, और हर एक अपने अपने मार्ग पर फिर गया है, और परमेश्वर ने हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर डाल दिया है। वह हमारे अधर्म के कारण कुचला गया, हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना डाली गई। मैं उस विश्वास की बात कर रहा हूँ जो एक बार संतों को दिया गया था। आज प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, और उद्धार पाओ। ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे, यही मेरी प्रार्थना है।

रेवरेंड जॉर्ज लियोन पाइक सीनियर द्वारा

यीशु मसीह के अनन्त जीवन के अनन्त साम्राज्य, इंक. के संस्थापक और प्रथम अध्यक्ष।